राजनीतिक इकाई से आत्मनिर्भर होगा।

→ 6. हिंसामुक्त समाज →

गांधी जी का समाजवाद अहिंसा पर आधारित था। उनका विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्य और अहिंसा के माध्यम से ही स्थायी रूप से संभव है।

→ 7. श्रम और उत्पादन का समान मूल्य :—

गांधी जी हर प्रकार के श्रम को समान महत्व देते थे। वे मानते थे कि कोई भी श्रम नीचा नहीं होता और हर व्यक्ति को अपनी योग्यता के अनुसार समाज में योगदान देना चाहिए।

→ निष्कर्ष :—

गांधी जी का समाजवाद एक ऐसे समाज की कल्पना पर आधारित था, जो सत्य, अहिंसा, नैतिकता, समानता और सहयोग पर आधारित हो। यह केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं बल्कि एक संपूर्ण जीवन-दृष्टि है, जिसका उद्देश्य है — "सभी के लिए पर्याप्त, किसी के लिए अधिक नहीं।"

by—

Dr. Sanjeet Prakash